

গণপ্রজাতন্ত্রী বাংলাদেশ সরকার
জাতীয় রাজস্ব বোর্ড
ঢাকা।

[মূল্য সংযোজন কর ও সম্পূরক শুল্ক]

প্রজ্ঞাপন

তারিখ: ২৪ জ্যৈষ্ঠ, ১৪৩৩ বঙ্গাব্দ / ০৭ জুন, ২০২৬ খ্রিষ্টাব্দ।

এস.আর.ও. নং-১৪০-আইন/২০২৬/৩৪৫-মুসক।- জাতীয় রাজস্ব বোর্ড, মূল্য সংযোজন কর ও সম্পূরক শুল্ক আইন, ২০১২ (২০১২ সনের ৪৭ নং আইন) এর ধারা ১৩৫, ধারা ৪৯ ও ১২৭খ এর সহিত পঠিতব্য, এ প্রদত্ত ক্ষমতাবলে, উৎসে মূল্য সংযোজন কর কর্তন ও আদায় বিধিমালা, ২০২৫ এর নিম্নরূপ সংশোধন করিল, যথা:-

উপরিউক্ত বিধিমালার-

(১) বিধি ৩ এর-

(ক) উপ-বিধি (১) এর টেবিলের কলাম (১) এর-

(অ) ক্রমিক নং ৪০ এবং উহার বিপরীতে কলাম (২), (৩) ও (৪) এ উল্লিখিত এন্ট্রিসমূহের পর নিম্নরূপ এন্ট্রিসমূহ সন্নিবেশিত হইবে, যথা:-

“৪১. Soচ৩.০০ সেমিকন্ডাক্টর এসেম্বলি, ১৫%”;
টেস্টিং ও প্যাকেজিং সেবা

(আ) ক্রমিক নং ৪১, ৪২, ৪৩ ও ৪৪ ক্রমিক নং ৪২, ৪৩, ৪৪ ও ৪৫ হিসেবে পুনসংস্থায়িত হইবে, যথা:-

(খ) উপ-বিধি (৩) এর পর নিম্নরূপ নূতন উপ-বিধি (৩ক) সন্নিবেশিত হইবে, যথা:-

“(৩ক) নিবন্ধিত ব্যক্তি কর্তৃক সেবা আমদানির ক্ষেত্রে, আমদানিকারক আইনের ধারা ২০ ও ৪৬ মোতাবেক সংশ্লিষ্ট কর মেয়াদের মূসক দাখিলপত্রে “উৎপাদ কর” এবং “উপকরণ কর” হিসেবে প্রদর্শন করিবে এবং ১৫ (পনেরো) শতাংশ হারে মূসক ট্রেজারি চালানোর মাধ্যমে সরকারি কোষাগারে জমাকৃত অর্থ দাখিলপত্রের অংশ-৯ এর নোট ৫৮ এ জমাকৃত মূসক হিসেবে প্রদর্শন করিবে:

তবে শর্ত থাকে যে, আইনের ধারা ৪৬ মোতাবেক যে সকল ক্ষেত্রে রেয়াত প্রযোজ্য নয় সেই সকল ক্ষেত্রে “উপকরণ কর” হিসেবে প্রদর্শন করা যাইবে না।”; এবং

(গ) উপ-বিধি (৫) এর পরিবর্তে নিম্নরূপ উপ-বিধি (৫) প্রতিস্থাপিত হইবে, যথা:-

“(৫) স্থান ও স্থাপনা ভাড়া গ্রহণকারী সেবার ক্ষেত্রে ভাড়া গ্রহণকারী কর্তৃক এ-চালান বা ই-পেমেন্টের মাধ্যমে ভাড়ার

উপর १५ (पनेरो) शतांश हारे मूसक परिशोध करिते हईवे एवं सेवा ग्रहणकारी कर्तृक दाखिलपत्र प्रदानकाले परिशोधित मूसकेर प्रमाणक दाखिलपत्रेर् ट्रेजारी जमार निर्दिष्ट अंशे प्रदर्शन करिते हईवे।”;

(२) बिधि ४ एर उप-बिधि (२) ए उल्लिखित “गण्य हईवे ना” शब्दगुलिर पर “एवं कौन व्यवसायी फरम मूसक-६.३ (कर चालानपत्र) एर माध्यमे १५ (पनेरो) शतांश हारे मूसक परिशोधपूर्वक पण्य सरबराह करिले योगानदार हिसेबे बिबेचित हईवे ना” शब्दगुलि, संख्यागुलि, चिह्न ओ बक्कनीगुलि सन्निवेशित हईवे;

(३) बिधि ५ एर-

(क) दफा (ख) एर शर्तांशे उल्लिखित “Integrated VAT Administration System (IVAS)” एन्डिगुलिर परिवर्ते “eVAT” एन्डिगुलि प्रतिस्थापित हईवे;

(ख) दफा (ब) एर शेषांशे उल्लिखित “एवं” शब्दटि बिलुप्त हईवे; एवं

(ग) दफा (७) एर प्रान्तःस्थित “।” चिह्नेर परिवर्ते “;” चिह्न प्रतिस्थापित हईवे एवं अतःपर निम्नरूप नूतन दफा (ट) संयोजित हईवे, यथा:-

“(ट) निबक्कित स्टार्टआप प्रतिष्ठान कर्तृक ये कौन सरबराह।”।

२। एई प्रजापन १ जुलाई, २०२६ ख्रिष्टाब्दे कार्यकर हईवे।

जातीय राजस्व बोर्डेर आदेशक्रमे,

स्वाक्कुरित/-

(मोः मशिउर रहमान)

प्रथम सचिब (मूसक नीति)